दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र : 2018–19

अभ्यास पत्र

कक्षा : नवमीं विषय : हिन्दी

निर्देश :

1. इस प्रश्न–पत्र के चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड–क (अपठित बोध)

प्र1) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः–

जहाँ पर भी दो नदियाँ आकर मिल जाती हैं, उस स्थान को अपने देश के तीर्थ कहने का रिवाज़ है और यह केवल रिवाज़ की बात नहीं है; हम सचमुच मानते हैं कि अलग–अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु, भारत आज जिस दौर से गुज़रा रहा है उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। उनके भीतर भी नाना जनपदों से बसने वाली जनता के आँसू और उमंगें, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती है। अतः जहाँ भाषाओं का मिलन होता है वहाँ वास्तव में विभिनन जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है।

हमारी भाषाएँ जितनी ही तेजी से जागृत होंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा। भारतीय लेखकों की बहुत दिनों से यह आकांक्षा रही थी कि वे केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ, बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुँचें और उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण के आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच अपने–आप प्रकट होने लगा है। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है, उनमें कौन–कौन ऐसे लेखक हैं जिनकी कृतियाँ उल्लेखनीय हैं तथा कौन–सी विचारधारा वहाँ प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही हैं।

क) लेखक ने आधुनिक संगम स्थल किसको माना है और क्यों?

ख) भाषा–संगमों में भारत की किन विशेषताओं का संगम होता है?

ग) अलग–अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान किस प्रकार बढ़ सकता है?

घ) स्वराज्य–प्राप्ति के उपरांत विभिन्न भाषाओं के लेखकों में क्या जिज्ञासा उत्पन्न हुई?

ङ) भाषाओं के जागरण से लेखक का क्या अभिप्राय है?

प्र2) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:–

जय बोलो उस धीरव्रती की, जिसने सोता देश लगाया,
जिसने मिट्टी के पुतलों को वीरों का बाना पहनाया।
जिसने आज़ादी लेने की एक निराली राह निकाली,
और स्वयं उस पर चलने में जिसने अपना शीश चढ़ाया।
घृणा मिटाने को दुनिया से लिखा लहू से जिसने अपने,
''जो कि तुम्हारे हित विष घोले, तुम उसके हित अमृत घोलो।''
कहीं बेड़ियाँ और हथकड़ियाँ, हर्ष मनाओ, मंगल गाओ,
किंतु यहाँ पर लक्ष्य नहीं है, आगे पथ पर पाँव बढ़ाओ।
आज़ादी वह मूर्ति नहीं है जो बैइी रहती मंदिर में;
उसकी पूजा करनी है तो नक्षत्रों से होड़ लगाओ।
हल्का फूल नहीं आज़ादी, वह है भारी जिम्मेदारी,
उसे उठाने को कंधों के, भुजदडों के, बल को तोलो।

क) आपके विचार से धीरव्रती कौन हो सकता है? उसे ही धीरव्रती मानने का आधार बताइए। उसने आज़ादी लेने की कौन–सी निराली राह दिखाई है?

ख) धीरव्रती ने दुनिया से घृणा मिटाने के लिए क्या उपाय सुझाया था?

ग) आज़ादी की ज़िम्मेदारी उठाने के लिए उसने क्या संदेश दिया है?

अथवा

निर्मम कुम्हार की थापी से
कितने रूपों में कुटी–पिटी,
हर बार बिखेरी गई किंतु
मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी।
आशा में निश्छल पल जाए, छलना में पड़कर छल जाए,
सूरज दमके तो तप जाए, रजनी ठुमके तो ढल जाए,
यों तो बच्चों की गुड़िया–सी भोली मिट्टी की हस्ती क्या–
आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए,
फसलें उगतीं, फसलें कटतीं लेकिन धरती चिर उर्वर है।
सौ बार बने, सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर है।
मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है।

क) आशय स्पष्ट कीजिए– ''मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी'।

ख) मिट्टी के बारे में कवि के दो कथन हैं– 'मिट्टी की हस्ती क्या' और 'मिट्टी अविनश्वर है।' इनमें से किसी एक पर अपना मत लिखिए।

ग) इस कविता में निहित मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्र3) क) निम्नलिखित किसी एक का वर्ण–विच्छेद कीजिए :–

कृपा, इच्छा

ख) किसी एक का वर्ण संयोजन करें :–

प् + र + अ + व् + ए + श् + अ

त् + र + इ + श् + ऊ + ल् +अ

प्र4) क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करें :–
कुजी, दग

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग करें :–
उगली, पाच

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग करें :–
दरवाजा, तूफान

प्र5) क) संधि–विच्छेद कीजिए (कोई दो) :–
सज्जन, संतोष, दुर्गम

ख) संधि कीजिए (कोई दो) :–
पौ + अक, सूर्य + उदय, शिक्षा + आलय

प्र6) क) निम्नलिखित किन्हीं दो शब्दों से मूल शब्द और उपसर्ग को अलग–अलग कीजिए :–
संस्थान, अधिकारी, कुपोषण

ख) किसी एक शब्द में प्रत्यय और मूल शब्द अलग करें :–
बचपन, धार्मिक

प्र7) निम्नलिखित किन्हीं तीन वाक्यों में विराम–चिह्न लगाइए :–

(i) राजेश ने कहा मुझे मिठाई खिलौने और कपड़े चाहिए

(ii) वह खेलते खेलते गिर गया

(iii) चल रे चल अपना पंचलैट आया है

(iv) वाह कितनी अच्छी कविता है

खंड–ग

प्र8) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

क) लड़के की मृत्यु के दूसरे दिन ही बुढ़िया खरबूजे बेचने क्यों चल पड़ी?

ख) 'लोग दूसरे के होम की स्वीटनेस को काटने न दौड़े।' 'तुम कब जाओगे अतिथि' पाठ के आधार पर लिखिए।

ग) नदी के किनारे कीचड़ कब सुंदर दिखता है?

अथवा

पति–पत्नी ने अतिथि का स्वागत कैसे किया?

प्र9) 'शुक्रतारे के समान' पाठ के आधार पर महादेव देसाई का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

भगवान की माँ की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

प्र10) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

क) पहले पद में भगवान और भक्त की जिन–जिन चीज़ों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए।

ख) 'एक फूल की चाह' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

ग) कवि को किसका भरोसा नहीं है? 'नए इलाके में' पाठ के आधार पर बताइए।

अथवा

अवध–नरेश चित्रकूट में क्यों रहे?

प्र11) 'अग्नि पथ' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

अथवा

'आदमी नामा' कविता के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है?

प्र12) कुएँ में उतरकर चिट्ठियों को निकालने संबंधी साहसिक वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'हामिद खाँ' पाठ के आधार पर बताइए कि कैसे सौहार्द और आत्मीय संबंधों को बढ़ावा मिल सकता है।

खंड–घ

प्र13) दिए गए संकेतं–बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :– (5)

(i) सामाजिक जीवन में बढ़ता भ्रष्टाचार

संकेत बिंदु :–
- आधुनिक युग और भ्रष्टाचार
- भ्रष्टाचार फैलने का माध्यम
- भ्रष्टाचार और वर्तमान समाज

(ii) देश का निर्माण और युवा वर्ग

संकेत बिंदु :–
- युवा वर्ग में भटकाव की स्थिति
- युवा शक्ति का सही दिशा में उपयोग
- राजनीतिक दल और युवा शक्ति

(iii) आपदा प्रबंधन

संकेत बिंदु :–
- प्राकृतिक आपदाएँ
- सरकार की जिम्मेवारी
- नागरिकों के कर्तव्य

प्र14) अपने मित्र को पत्र लिखिए जिसमें हिंदी का महत्व और लाभ बताए गए हों।

अथवा

अपने पिताजी को स्वयं के बारे में बताते हुए एक पत्र लिखिए।

प्र15) दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20–30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

प्र16) टी.वी. देखने और अध्ययन के प्रति लापरवाह होने पर पिता और पुत्र के बीच संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

अथवा

दो मित्रों के बीच वार्षिकोत्सव के विषय पर लगभग 50 शब्दों में संवाद लेखन कीजिए।

प्र17) 'स्वच्छ भारत अभियान' से संबंधित 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

सैल फोन विक्रेता की ओर से आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।